CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 175 □ रायपुर, शनिवार 18 जुलाई 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

सरकार ने आधी रात जीता विश्वास मत

सीएम के तेवरों ने बदला सियासी मिजाज

रायपुर, 18 जुलाई (हाईवे चैनल)। मानसून सत्र के अंतिम दिन विष्णुदेव साय सरकार के खिलाफ कांग्रेस के द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव देर रात ध्वस्त हो गया। सदन में करीब साढ़े 14 घंटे तक चर्चा चली। ध्वनि मत से अविश्वास प्रस्ताव अस्वीकृत हो गया। मतदान की नौबत नहीं आई। इसी के साथ मानसून सत्र का बीती रात 2.40 बजे समापन हो गया।

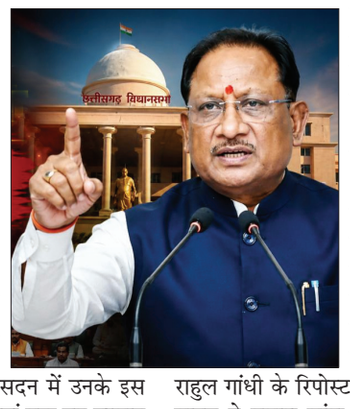

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने दिसंबर माह के दूसरे सप्ताह में शीतकालीन सत्र आहुत करने की जानकारी दी। अमूमन अपनी सादगी, सौम्यता और बेहद सरल स्वभाव के लिए पहचाने जाने वाले मुख्यमंत्री साय के इन तल्ख तेवरों ने विरोधियों को स्पष्ट संदेश दे दिया कि शालीनता उनकी कमजोरी नहीं, बल्कि उनका आभूषण है। जब बात जनता के जनादेश और सरकार के आत्मसम्मान की आती है, तो वे फ्रंट फुट पर आकर पूरी आक्रामकता के साथ बल्लेबाजी करना भी जानते हैं। सदन में उनके इस बदले अंदाज ने सत्ता पक्ष के भीतर जहां एक नए उत्साह का संचार किया, वहीं विपक्ष को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का जवाब देते हुए कहा कि राज्य निर्माण के नाम पर कांग्रेस के लोगों ने नाटक किया । छग राज्य का निर्माण कांग्रेस पहले ही कर सकती थी लेकिन नहीं किया। राज्य का निर्माण अटल बिहारी वाजपेयी ने किया।15 साल तक डॉ. रमन सिंह ने छत्तीसगढ़ का चहुंमुखी विकास किया। सरगुजा और बस्तर को डॉ. रमन सिंह ने कभी कमी नहीं होने दी। डॉ. रमन सिंह से पहले लोग भूख से मरते थे, महुआ खाने की स्थिति थी। भारतीय जनता पार्टी ने जनजातीय समाज की चिंता की है। कांग्रेस ने केवल जनजातीय समाज का वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस ने लाया है उसमें कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा ढाई साल कांग्रेस की सरकार में भी जमकर झगड़ा होता रहा। राजा और महाराजा में 5 साल तक झगड़ा होता रहा, एक राजा अपनी कुर्सी बचाने में लगा रहा वहीं महाराजा कुर्सी पाने के लिए लड़ता रहा। श्री साय ने कहा इस बार प्रदेश में हम 70 से अधिक सीटें लाएंगे।

राहुल गांधी का नाम लेते ही देवेंद्र यादव ने चढ़ाई बाहें-चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के माओवादी हिडमा के साथ राहुल गांधी का नाम लेते ही विपक्ष आगबबूला हो गया हिडमा के समर्थन वाले पोस्ट को राहुल गांधी के रिपोस्ट करने का कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने प्रमाण मांगा। इस पर सत्ता पक्ष ने देवेंद्र की बॉडी-लैंग्वेज पर आपत्ति जताई। आखिरकार भारी हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही 5 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। इसके पहले अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि नेता-प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत को अपने सदस्यों से हाथ उठवाकर समर्थन लेना पड़ रहा है तत्कालीन कांग्रेस सरकार में टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री को चिट्ठी लिखकर पंचायत विभाग को छोड़ दिया था। क्योंकि सरकार में उनकी सुनवाई नहीं हो रही थी। वे आवास बनाना चाहते थे, लेकिन उन्हें रोक दिया जा रहा था।

ढाई साल में हर मोर्चे पर विफल रही सरकार

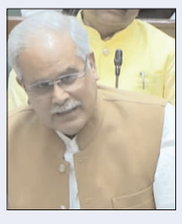

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। करीब एक घंटे के भाषण में उन्होंने 136 बिंदुओं के आरोप गिनाते हुए कहा कि ढाई साल में सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है और ऐसा लगता है कि राज्य को कोई अदृश्य शक्ति चला रही है। भूपेश बघेल ने कृषि, कानून-व्यवस्था, खाद संकट, धान खरीदी, तेंदूपत्ता, राशन वितरण, वित्तीय प्रबंधन, स्वास्थ्य और आदिवासी क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर यूरिया और डीएपी नहीं मिल रहा, धान खरीदी व्यवस्था चरमरा गई है और किसान महंगे दामों पर खाद खरीदने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों से किसानों को प्रति बोरी सैकड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है। कानून-व्यवस्था पर बघेल ने सीतापुर, बलौदाबाजार और अन्य घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अवैध खनन, नकली खाद, महादेव एप और जंगलों की कटाई जैसे मामलों में सरकार की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। तमनार और हसदेव क्षेत्र का जिक्र करते हुए उन्होंने आदिवासी हितों की अनदेखी का आरोप भी लगाया। भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों और मंत्रियों ने कई बार हस्तक्षेप किया। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने खाद संकट के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसानों को भ्रमित किया जा रहा है। वहीं वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राज्य की वित्तीय स्थिति को मजबूत बताते हुए कहा कि सरकार योजनाबद्ध तरीके से बजट चला रही है और जरूरत पड़ने पर ही अनुपूरक बजट लाया जाता है। भूपेश बघेल ने अंत में कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था से लेकर किसानों और गरीबों से जुड़े मुद्दों तक सरकार पूरी तरह असफल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनता विरोधी फैसलों के कारण सरकार नैतिक आधार खो चुकी है और उसे सत्ता में बने रहने का अधिकार नहीं है। सत्ता पक्ष ने हालांकि सभी आरोपों को निराधार बताते हुए सरकार के कामकाज का बचाव किया।

प्रक्षेपण यान विक्रम-1 लांच, निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में नया इतिहास

नई दिल्ली, 18 जुलाई (न्यूज चैनल)। भारत का पहला निजी ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च हुआ। यह लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से सुबह 11ः30 बजे होनी थी, लेकिन लॉन्च से कुछ देर पहले ही रोक दिया गया था। हालांकि कुछ देर बाद इसे दोबारा शुरू किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्काईरूट एयरोस्पेस को बधाई दी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

वही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भारत के पहले निजी तौर पर विकसित प्रक्षेपण यान विक्रम-1 के पहले कक्षीय प्रक्षेपण की सराहना की। उन्होंने इसे देश की अंतरिक्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक नई सीमा और भारत के युवाओं की प्रतिभा और उद्यमशीलता की भावना का प्रतिबिंब बताया। मिशन आगमन विक्रम-1 रॉकेट की पहली परीक्षण उड़ान है। इसका प्रक्षेपण आज सुबह 11.30 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाना है। इस मिशन के जरिए स्काईरूट एयरोस्पेस अपने पूरी तरह स्वदेशी विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल की क्षमताओं का परीक्षण करेगी।

विक्रम-1 रॉकेट की क्या खासियत है- विक्रम-1 रॉकेट का नाम भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक, डॉ. विक्रम साराभाई के सम्मान में रखा गया है। विक्रम-1 एक 24 मीटर लंबा ऑर्बिटल क्लास रॉकेट है, जिसे छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए तैयार किया गया है। यह पूरी तरह हल्के कार्बन-कॉम्पोजिट स्ट्रक्चर से बना है, जिससे इसका वजन कम और क्षमता अधिक हो जाती है। कंपनी के अनुसार कार्बन फाइबर सबसे मजबूत स्टील की तुलना में लगभग पांच गुना हल्का होता है, जिससे रॉकेट अधिक दक्ष बनता है। रॉकेट में तीन सॉलिड प्रोपल्शन स्टेज हैं, जबकि सबसे ऊपर एक ऑर्बिटल एडजस्टमेंट मॉड्यूल लगाया गया है। यही मॉड्यूल एक ही मिशन में कई उपग्रहों को अलग-अलग कक्षाओं में स्थापित करने में मदद करेगा। विक्रम-1 को 450 किलोमीटर की लो-अर्थ ऑर्बिट में 350 किलोग्राम तक का पेलोड ले जाने के लिए डिजाइन किया गया है।

ब्रेकिंग न्यूज

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की तबियत बिगड़ी

नई दिल्ली, 18 जुलाई (न्यूज चैनल)। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव शनिवार को बेहतर इलाज के लिए नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाए जाएंगे। शुक्रवार शाम ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव की शिकायत के बाद उन्हें पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में भर्ती कराया गया था। राजद सांसद और लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती ने बताया कि आईजीआईएमएस में डॉक्टरों ने उनका विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया। इलाज के बाद उनकी स्थिति सामान्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉक्टरों ने उन्हें घर पर निगरानी में रहने की सलाह दी है। शनिवार को उन्हें आगे के इलाज के लिए एम्स, दिल्ली ले जाया जाएगा।

हाथी का आतंक : ग्रामीण को कुचलकर मार डाला

बलरामपुर, 18 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर में हाथी का आतंक देखने को मिला है, जहां हाथी ने शुक्रवार की रात एक ग्रामीण को कुचलकर मार डाला। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है। यह मामला राजपुर वन परिक्षेत्र का है। वहीं जब बालम अपनी जान बचाकर भाग रहा था, तो हाथी ने उसे कुचलकर मार डाला। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और परिजनों को तात्कालिक सहायता राशि दी। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान बालम साय के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रेवतपुर के नवापारा में 4 हाथियों का दल विचरण कर रहा है।

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, कॉक्रोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके अब सोनम वामचुंग की जगह हड़ताल पर बैठ गए हैं।

चुहिया- हां जी, लेकिन अब बैठने का क्या मतलब ? 20 तारीख को वैसे भी संसद घेराव के लिए उठना है।

पत्नी-बच्चों की हत्या कर फंदे पर लटका युवक

एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

रायपुर , 18 जुलाई (हाईवे चैनल)। राजधानी के संजय नगर स्थित मदनी चौक में शुक्रवार देर रात एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि परिवार के मुखिया ने पहले पत्नी और तीन बच्चों को जहरीला पदार्थ दिया और बाद में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस ने मौत के कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

कर्ज से परेशान था

पुलिस के अनुसार, परिवार पिछले करीब डेढ़ वर्ष से मदनी चौक स्थित एक किराए के मकान में रह रहा था। शुक्रवार को पूरे दिन घर का दरवाजा बंद रहने और कोई गतिविधि दिखाई नहीं देने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां पांच शव मिले। मृतकों की पहचान सैय्यद साजिद अली (50 वर्ष), उनकी पत्नी राबिया बानो, पुत्र सैय्यद इरशाद अली (20 वर्ष), बेटी शाहिदा (15 वर्ष) और इरशाबा परवीन (12 वर्ष) के रूप में हुई है। साजिद अली का शव फंदे से लटका मिला, जबकि पत्नी और तीनों बच्चों के शव बिस्तर पर पड़े थे। पुलिस ने बताया कि चारों के मुंह से झाग निकल रहा था, जिससे जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका जताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में परिवार के आर्थिक संकट और कर्ज में होने की जानकारी भी सामने आई है। साजिद अली मौदहापारा क्षेत्र में एक दुकान पर बैटरी रिपेयर का काम करता था। पड़ोसियों के मुताबिक परिवार शांत स्वभाव का था और किसी से अधिक मेलजोल नहीं रखता था। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए हैं और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पश्चिम जोन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल डीसीपी) राहुल देव शर्मा ने बताया कि मामले की जांच जारी है और पोस्टमार्टम व फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी

देश के ख्यातनाम पत्रकार-साहित्यकार ललित सुरजन पर 'ललित संवाद' कल

रायपुर, 18 जुलाई (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ प्रदेश हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा देश के वरिष्ठ पत्रकार, संपादक, लेखक, चिंतक और कवि ललित सुरजन की 80 वीं जयंती पर 'ललित संवाद' कार्यक्रम का आयोजन कल 19 जुलाई को सुबह 10.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक मायाराम सुरजन स्मृति लोकायन, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जी.ई. रोड, रायपुर में किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के पहले सत्र में मौजूदा दौर में पत्रकारिता की चुनौतियों पर वरिष्ठ पत्रकार उर्मिलेश का व्याख्यान होगा। दूसरे सत्र में साम्प्रदायिक हिंसा : सत्ता, समाज और स्त्री विषय पर प्रख्यात आलोचक प्रो. रोहिणी अग्रवाल से वरिष्ठ कथाकार उर्मिला शुक्ल चर्चा करेंगी। तीसरे सत्र में वरिष्ठ पत्रकार डॉ. दीपक पाचपोर ललित जी की पत्रकारिता पर बात करेंगे। चौथे सत्र में शिक्षा, सरकार और नागरिक समाज विषय पर वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. हेमलता महिश्वर से वरिष्ठ कवि शरद कोकास चर्चा करेंगे। पांचवें सत्र में जाने-माने फिल्म संगीतकार सलिल चौधरी के कृतित्व पर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी एवं कवि पंकज राग अपनी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम के अंत में संगीतकार दीपक व्यास और उनके साथी ललित जी को प्रिय पुराने फिल्मी गीतों की प्रस्तुति देंगे। यह जानकारी रवि श्रीवास्तव अध्यक्ष, समयलाल विवेक महामंत्री एवं उर्मिला शुक्ल साहित्य मंत्री ने संयुक्त विज्ञप्ति में देते हुए सुधिजनों से कार्यक्रम में भागीदारी की अपील की है।

दस साल में 150 पेपर लीक, 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित, 'छात्रों की गूंज' में बोले राहुल

नई दिल्ली, 18 जुलाई (न्यूज चैनल)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि पेपर लीक की वजह से कई परिवारों को बहुत दुख पहुंचा है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि छात्रों की सुरक्षा और माता-पिता को न्याय दिलाने के लिए परीक्षा प्रणाली को फिर से बनाने की ज़रूरत है। एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने रिया के पिता के साथ हुई अपनी बातचीत का ज़िक्र किया। रिया एक छात्रा थी जिसने कथित तौर पर हृश्वश्वज्ञ पेपर लीक विवाद के बाद आत्महत्या कर ली थी। गांधी ने कहा कि यह घटना कई परिवारों के दुख को दिखाती है। गांधी ने लिखा रिया के पिता, राजेश जी, अपनी बेटी को खोने के बाद इतने टूट गए थे कि उन्हें देखने वाले हर व्यक्ति की आँखों में आँसू आ गए। यह सिर्फ़ एक परिवार का दुख नहीं है। पेपर लीक ने ऐसे कई परिवारों से उनके बच्चों को छीन लिया है।

गिरफ्तार कारोबारी विकास गर्ग ने खोले काली कमाई के राज

रायपुर, 18 जुलाई (हाईवे चैनल)। महादेव सट्टा ऐप के जरिये होने वाली 450 करोड़ रुपए मासिक की काली कमाई को सफेद करने के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में दिल्ली से गिरफ्तार कारोबारी विकास गर्ग से कड़ाई से पूछताछ जारी है। ईडी की जांच के अनुसार, ऑनलाइन सट्टेबाजी से अर्जित करोड़ों की रकम को सीधे बैंकिंग चैनलों के बजाय पहले नकद के बदले फर्जी एंट्री के जरिए शेल (फर्जी) कंपनियों में भेजा जाता था।

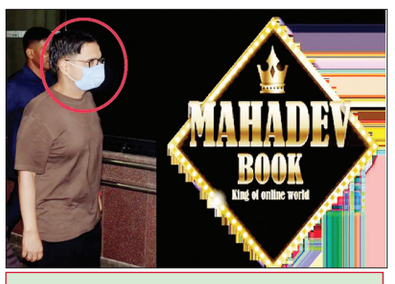

■ **महादेव सट्टा के जरिए हर महीने 450 करोड़ की वसूली**

इस खेल में दुबई सबसे अहम केंद्र- इसके बाद इस ब्लैकमनी को दुबई, मॉरिशस और यूनाइटेड किंगडम (यूके) स्थित कंपनियों के माध्यम से कई स्तरों पर घुमाया जाता था। मनी लॉन्ड्रिंग के इस खेल में दुबई सबसे अहम केंद्र था। वहां से राशि को मॉरिशस और यूके की कंपनियों में ट्रांसफर किया गया। इस पैसे को क्यूआईपी, एफपीआई, एफडीआई और एफसीसीबी जैसे वैध माध्यमों से विकास गर्ग के नियंत्रण वाली लिस्टेड और गैर-लिस्टेड कंपनियों में विदेशी निवेश के रूप में भारत वापस लाया गया।

गंगरेल बांध की क्षमता है 32.152 टीएमसी, बांध में है मात्र 12.794 टीएमसी उपयोगी पानी

लगातार अच्छी बारिश नहीं होने से जिले के चारो बांध गंगरेल, मुरुमसिल्ली, दुधावा व सोंढुर में नहीं हो रही पानी की आवक

धमतरी 18 जुलाई (हाईवे चैनल)। इस बार लगातार अच्छी नहीं होने से जिले का बांधो में अब तक पानी की अच्छी आवक नहीं हो पाई है। आज के स्थिति में तो बांधो में की आवक शून्य रही। गंगरेल बांध में भी जल भराव की स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है।

जिले में प्रदेश के दूसरे सबसे बड़े बांध गंगरेल के साथ ही मुरुमसिल्ली, दुधावा व सोंढुर मौजूद है लेकिन इस बार अब तक बांधो में उम्मीद के अनुरुप पानी की आवक नहीं हो पाई है। मिली जानकारी के अनुसार गंगरेल बांध की जल संग्रहण क्षमता 32.152 टीएमसी है जबकि वर्तमान में बांध में 17.865 टीएमसी जल भराव है। जिसमें मात्र 12.794 टीएमसी उपयोगी पानी है। और लगभग 5 टीएमसी पानी को डेड स्टोरेज के रुप में हमेशा रिजर्व रखा जाता है। बांध में आवक शून्य है। जबकि 350 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बांध का लेवल 343.68 मीटर है। इसी प्रकार मुरुमसिल्ली बांध में 2.774 टीएमसी जल भराव है। जिसमें उपयोगी 2.653 टीएमसी पानी है। दुधावा बांध में 7.396 टीएमसी जल भराव है जबकि

उपयोगी 7.236 टीएमसी पानी है। सोंढुर बांध में 4.251 टीएमसी जल भराव है।

पर्यटकों को है बांध के लबालब होने व गेट खुलने का इंतजार - गंगरेल बांध प्रदेश का ख्याति प्राप्त बांध है। यहां की खूबरसूरती हमेशा ही पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहा है। हर साल मानसून में पर्यटकों को गंगरेल बांध के लबालब होने व बांध के सभी 14 गेट खुलने का इंतजार रहता है। इस बार भी पर्यटको को गंगरेल बांध के लबालब होने व बांध के सभी गेट खुलने के मनोरम दृश्य का इंतजार है। लेकिन अब तक की वर्षा से बांध की जल भराव में कोई विशेष बढ़ोत्तरी नहीं हो पाई है।

जिले में अब तक औसत से 72.4 प्रतिशत बारिश, आज तक जिले में 278.8 मिमी वर्षा दर्ज - जिले में मानसून सक्रिय बना हुआ है। कलेक्टर कार्यालय (भू-अभिलेख शाखा) द्वारा 18 जुलाई 2026 को जारी तहसीलवार वर्षा रिपोर्ट के अनुसार जिले में एक जून से अब तक औसतन 278.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो पिछले 10 वर्षों की इसी अवधि की औसत वर्षा 384.9 मिमी का 72.4 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को जिले में 15.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सबसे अधिक भखारा में 8.9 मिमी वर्षा हुई, जबकि कुरूद में 0.8 मिमी, मगरलोड में 2.6 मिमी और नगरी, कुकरेल और बेलरगांव तहसीलों में शनिवार को वर्षा दर्ज नहीं हुई।

धमतरी में 0.8 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। एक जून से अब तक हुई कुल वर्षा के अनुसार मगरलोड तहसील 321.4 मिमी के साथ जिले में सबसे आगे है। इसके बाद बेलरगांव में 294.4 मिमी, नगरी में 291.1 मिमी, धमतरी में 288.7 मिमी, कुकरेल में 288.0 मिमी, कुरूद में 272.9 मिमी तथा मध्यारा में 194.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

CMYK